"बिजनेस पोस्ट के अन्तर्गत डाक शुल्क के नगद भुगतान (बिना डाक टिकट) के प्रेषण हेतु अनुमत. क्रमांक जी. 2-22-छत्तीसगढ़ गजट/38 सि. से. भिलाई, दिनांक 30-5-2001."

पंजीयन क्रमांक "छत्तीसगढ़/दुर्ग/ सी. ओ./रायपुर 17/2002."

छत्तीसगढ़ राजपत्र

प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 6] रायपुर, शुक्रवार, दिनांक 6 फरवरी 2004—माघ 17, शक 1925

विषय—सूची

भाग १

राज्य शासन के आदेश

सामान्य प्रशासन विभाग
मंत्रालय, दाऊ कल्याण सिंह भवन, रायपुर

रायपुर, दिनांक 20 जनवरी 2004

क्रमांक 152/2178/2003/साप्रवि/1/2/लीव.—श्री दिनेश कुमार श्रीवास्तव, कलेक्टर, बस्तर (जगदलपुर) को दिनांक 22-12-2003 से 24-12-2003 तक (3 दिवस) का अर्जित अवकाश स्वीकृत किया जाता है, साथ ही दिनांक 20, 21-12-2003 एवं 25-12-2003 के शासकीय अवकाश को जोड़ने की अनुमति दी जाती है.

2. अवकाश से लौटने पर श्री दिनेश कुमार श्रीवास्तव, भा.प्र.से. आगामी आदेश तक कलेक्टर, बस्तर (जगदलपुर) के पद पर पुन: पदस्थ होंगे.

संचालक, मुद्रण तथा लेखन सामग्री, छत्तीसगढ़ द्वारा शासकीय क्षेत्रीय मुद्रणालय, राजनांदगांव से मुद्रित तथा प्रकाशित—2004.

3. अवकाश काल में श्री दिनेश कुमार श्रीवास्तव, भा.प्र.से. को अवकाश वेतन एवं अन्य भत्ते उसी प्रकार देय होंगे जो उन्हें अवकाश पर जाने के पूर्व मिलते थे.

4. प्रमाणित किया जाता है कि यदि श्री दिनेश कुमार श्रीवास्तव, भा.प्र.से. अवकाश पर नहीं जाते तो अपने पद पर कार्य करते रहते.

रायपुर, दिनांक 21 जनवरी 2004

क्रमांक 163/05/2004/साप्रवि/1/2/लीव.—श्री पी. सी. दलेई, आयुक्त, आदिमजाति एवं पदेन सचिव, आदिमजाति, अनुसूचित जाति विकास विभाग को दिनांक 26-9-2003 से 7-10-2003 तक (12 दिवस) का अर्जित अवकाश की कार्योत्तर स्वीकृति दी जाती है.

2. अवकाश से लौटने पर श्री पी. सी. दलेई, भा.प्र.से. आगामी आदेश तक आयुक्त, आदिमजाति एवं पदेन सचिव, आदिमजाति, अनुसूचित जाति विकास विभाग के पद पर पुनः पदस्थ होंगे.

3. अवकाश काल में श्री पी. सी. दलेई, भा.प्र.से. को अवकाश वेतन एवं अन्य भत्ते उसी प्रकार देय होंगे जो उन्हें अवकाश पर जाने के पूर्व मिलते थे.

4. प्रमाणित किया जाता है कि यदि श्री पी. सी. दलेई, भा.प्र.से. अवकाश पर नहीं जाते तो अपने पद पर कार्य करते रहते.

रायपुर, दिनांक 21 जनवरी 2004

क्रमांक 165/2065/2003/साप्रवि/1/2/लीव.—श्रीमती निहारिका बारिक, अपर आवासीय आयुक्त, छत्तीसगढ़ भवन नई दिल्ली को दिनांक 29-10-2003 से 7-11-2003 तक (10 दिवस) का मातृत्व अवकाश स्वीकृत किया जाता है. साथ ही दिनांक 8 एवं 9-11-2003 तक का शासकीय अवकाश जोड़ने की अनुमति दी जाती है.

2. अवकाश से लौटने पर श्रीमती निहारिका बारिक, भा.प्र.से., आगामी आदेश तक अपर आवासीय आयुक्त, छत्तीसगढ़ भवन नई दिल्ली के पद पर पुनः पदस्थ होंगी.

3. अवकाश काल में श्रीमती निहारिका बारिक, भा.प्र.से. को अवकाश वेतन एवं अन्य भत्ते उसी प्रकार देय होंगे जो उन्हें अवकाश पर जाने के पूर्व मिलते थे.

4. प्रमाणित किया जाता है कि यदि श्रीमती निहारिका बारिक, भा.प्र.से. अवकाश पर नहीं जाते तो अपने पद पर कार्य करते रहते.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
के. के. बाजपेयी, अवर सचिव.

विधि और विधायी कार्य विभाग

मंत्रालय, दाऊ कल्याण सिंह भवन, रायपुर

रायपुर, दिनांक 19 जनवरी 2004

क्रमांक 566/डी-4826/21-ब/छ. ग./2004.—इस विभाग द्वारा जारी अधिसूचना क्रमांक 5403/एफ./1952/21-ब (छ. ग.)/2002 दिनांक 13-8-2002 को अतिष्ठित करते हुए तथा छत्तीसगढ़ सिविल न्यायालय अधिनियम, 1958 (क्रमांक 19, सन् 1958) की धारा 4 की उपधारा (1) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए राज्य सरकार, एतद्द्वारा छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय की सिफारिश पर नीचे दी गई अनुसूची में विनिर्दिष्ट स्थानों पर "फास्ट ट्रेक कोर्ट्स" का गठन तथा स्थापना करती है जो संबंधित पीठासीन अधिकारी के उक्त

स्थान पर कार्यभार ग्रहण करने के दिनांक से प्रभावशील होंगी :—

अनुसूची

अनुक्रमांक (1)	जिले का नाम (2)	स्थान का नाम (3)	फास्ट ट्रेक कोर्ट की संख्या (4)
1.	बस्तर (जगदलपुर)	जगदलपुर	2
		कांकेर	2
2.	बिलासपुर	बिलासपुर	3
		जांजगीर	2
		मुंगेली	1
		पेन्ड्रारोड	1
3.	दुर्ग	दुर्ग	3
4.	रायगढ़	रायगढ़	2
		जशपुर नगर	1
5.	रायपुर	रायपुर	6
6.	राजनांदगांव	कवर्धा	1
7.	सरगुजा	अंबिकापुर	3
		सूरजपुर	3
		रामानुजगंज	1
		कुल	31

Raipur, the 19th January 2004

No. 566/D-4826/21-B/CG/2004.—In exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (1) of Section 5 of the Chhattisgarh Civil Court Act, 1958 (No. 19 of 1958) and in supersession of the Notification No. 5403/F/1952/21-B (C.G.)/2002 Raipur, dated 13-8-02 of this department, the State Government on the recommendations of the High Court of Chhattisgarh, hereby, constitute and establish "Fast Track Courts" specified in Schedule below with effect from the date the Presiding Judge takeover charge at those places :—

SCHEDULE

S. No. (1)	Name of District (2)	Name of Place (3)	No. of Fast Track Courts (4)
1.	Bastar at Jagdalpur	Jagdalpur	2
		Kanker	2
2.	Bilaspur	Bilaspur	3
		Janjgir	2
		Mungeli	1
		Pendra Road	1
3.	Durg	Durg	3
4.	Raigarh	Raigarh	2
		Jashpur Nagar	1
5.	Raipur	Raipur	6
6.	Rajnandgaon	Kawardha	1
7.	Sarguja	Ambikapur	3
		Surajpur	3
		Ramanujganj	1
		Total	31

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
प्रभात शास्त्री, उप-सचिव.

उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, जनशक्ति नियोजन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग
मंत्रालय, दाऊ कल्याण सिंह भवन, रायपुर

रायपुर, दिनांक 9 दिसम्बर 2003

क्रमांक/एफ-73-120/03/उ.शि./38.—राज्य शासन, छत्तीसगढ़ निजी क्षेत्र विश्वविद्यालय (स्थापना और विनियमन) अधिनियम, 2002 की धारा 25 (2) के अंतर्गत जी. एच. रायसोनी इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी, रायपुर के शासी निकाय द्वारा प्रस्तुत विश्वविद्यालय की प्रथम संविधियों को उप नियम (4) के अंतर्गत सहमति प्रदान करता है तथा उप नियम (5) के अंतर्गत प्रस्तुत 24 (चौबीस) प्रथम संविधियां अनुमोदित करता है.

यह संविधियां राजपत्र में प्रकाशन दिनांक से प्रभावशील होगी.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
आर. सी. सिन्हा, सचिव.

G. H. RAISONI INTERNATIONAL UNIVERSITY RAIPUR

[The University established under Section 5 of the Chhattisgarh Niji Kshetra Vishwavidyalaya (Sthapana Aur Viniyaman) Adhniyam 2002, vide Notification of the Government of Chhattisgarh F-73 /120 / 2003 / HE / 38 dated 6th August 2003]

FIRST STATUTES

Made in accordance with the provisions in Section 25 of the Chhattisgarh Niji Kshetra Viswavidyalaya (Sthapana Aur Viniyaman) Adhiniyam 2002

1.0 Short Title, Extent and Commencement

1.1 These Statutes shall, here-in-after be called, The First Statutes of the G. H. Raisoni International University 2003.

1.2 These First Statutes are applicable to G. H. Raisoni International University and any matter relating and incidental thereto.

1.3 These First Statutes shall come into force on the date of publication of these First Statutes by the Government of Chhattisgarh in the Official Gazette.

1.4 The Registered office of G. H. Raisoni International University shall be located at Raipur.

2.0 Definitions (in alphabetic order)

In these First Statutes unless and otherwise the context demands :

2.1 **Academic Centres** means campus based education centers full time, part time, open/correspondence and Distance Education. Academic Centres approved by the University for imparting education in formal/non-formal mode in respect of any or all courses in all faculties offered by the University and even in new innovative courses not offered by the University but approved by them and located within or outside the State of Chhattisgarh in India and abroad.

2.2 **Academic Council** means the Academic Council constituted under Section 22(1) of the Act.

2.3 **Academic Staff** means such categories of staff as are designated as academic staff by the ordinances.

2.4 **Academic Year** ordinarily means the period from 01 July of any year to 30th June and from 01 January to 31 December of the following year or the dates announced by the Academic Council for a particular academic session.

2.5 **Act** means, the Chhattisgarh Niji Kshetra Vishwavidyalaya (Sthapana Aur Viniyaman) Adhiniyam 2002.

2.6 **Administrator** means the officer appointed by the Governing Body to exchange correspondence on behalf of the University, to sign and authenticate records on behalf of the University, to obtain reports and returns from Colleges and Schools of the University and to liaise with the State Government, UGC and other State Authorities, to generally supervise the administrative functions of the University and to manage the office of the Registrar in his absence.

2.7 **Affiliation** means and includes recognition of institutions, colleges and schools, association of Institutions, Colleges and schools located in or outside the state of Chhattisgarh including overseas, and admission of such institutions, colleges and schools under the University for the purpose of conducting the formal and informal educational, professional and vocational programs of the University.

2.8 **Authorities** means authorities mentioned under Section 19 of the Act, and Section 9.0 of these First Statutes.

2.9 **Board** means the Board of Management of the University constituted under Section 21 of the Act and Section 11.0 of these First Statutes.

2.10 **Board of Studies** means the Board of Studies of the University for each subject or group of subjects constituted by the Academic Council.

2.11 **Chancellor** means the Chancellor of the University as mentioned in Section 14 of the Act and Section 4.0 of these First "Statutes.

2.12 **Committee** means all committees constituted under Sections 15, 16, 17, 18,19 and 20 of these First Statutes.

2.13 **Common Seal** means the authoritative seal of the University established under Section 6 of the Act.

2.14 **Courses** include programmes and courses of studies imparted in the formal mode and/or in the non-formal, fulltime, part-time, open, correspondence/ distance education mode in the institutions, colleges, schools and/or Study Centres of the University.

2.15 **Dean (College)** means the person responsible for the upkeep, development and proper utilization of infrastructure! facilities of the respective school/ college and fulfill the academic requirements of the system.

2.16 **Dean (Planning and Monitoring)** means the person responsible for the preparation, monitoring and implementation of the plans of the University.

2.17 **Dean (Research & Development)** means the person responsible for the execution and monitoring of the research schemes formulated and approved by the University Research Board.

2.18 **Dean (Students Welfare & HRD)** means the person responsible for looking after the campus amenities and general welfare of the students of schools and colleges of the University.

2.19 **Dean (Discipline)** means the person responsible for maintaining the discipline amongst the students of schools and colleges of the University.

2.20 **Dean (Faculty)** means persons responsible for monitoring the academic activities of the faculty concerned.

2.21 **Dean (Informal Education)** means person responsible for planning, implementation and monitoring of Informal Education plans of the University.

2.22 **Director** means officer appointed by the Board of Management for coordinating the functions and activities of the schools, colleges, Study Centres in respect of which he is appointed.

2.23 Distance Education means the education / courses / programs offered to the student at different places in India and abroad through correspondence/study material and contact-classes. It includes system of imparting education through any means of Communications such as broadcasting, contact programs, internet, e-learning or the combination. of any two or more of such means.

2.24 Employee means and includes and person appointed by the University.

2.25 Finance Committee means the Finance Committee constituted under Section 23 of the Act.

2.26 Financial Year means the period commencing on the 1st April of any year and ending with 31st March of the following year or any period as prescribed by the Governing Body.

2.27 Fund means the General Fund established under Section 7 of the Act.

2.28 Government means the Government of the State of Chhattisgarh.

2.29 He includes she and His includes Her.

2.30 Institute means and includes institute, institution, schools and colleges constituted as part of the University to impart education in specified disciplines located within or outside the State of Chhattisgarh in India and/or Abroad.

2.31 Manual of Instructions includes all rules, procedures, instructions and systems laid down by various Committees, Boards, Authorities and Officers of the University for the purposes of smooth functioning of the University.

2.32 Ordinance means ordinances issued by the University as prescribed by Section 25 of the act.

2.33 OFF-Campus programme center means and includes an institution, college, school in or out side State of Chhattisgarh or in any part of India or abroad authorised by the University in writing to conduct all or any number of program/courses offered by the University according to the rules and regulations as prescribed by the University and/or terms and conditions as may be specified by the University and agreed upon by the institution, College or School.

2.34 Planning Committee means the planning committee of the University.

2.35 Regulations means Regulations made under Section 37 of the Act.

2.36 Regional Campus means the campus of the University Colleges, Institutions and Schools located in and outside Raipur, in side the state of Chhattisgarh or in any part of India and/or abroad. Such regional Campuses for convenience may be designated as Bhilai Campus, Bilaspur Campus, Bangalore Campus, Delhi Campus, Nagpur Campus, London Campus, Washington Campus etc.

2.37 Rules means the Rules made under Section 36 of the Act.

2.38 Sponsoring Body means the G.H. Raisoni Foundation, Raipur registered at Raipur under the provisions of Chhattisgarh Societies Registration Act, 1973.

2.39 Staff means the teaching and non-teaching employees of the University who are on the payroll of the University and does not include any casual,

temporary, contractual, ad-hoc employees or visiting persons who may be engaged for a specific assignment or task.

2.40 **States** means the States of India.

2.41 **Statutes** means the Statutes made under Section 25 and 26 of the Act and includes the amendments, alterations and modifications to the Statutes.

2.42 **Student** means a student of the University and includes any person who is enrolled to pursue any course of study at the University or institutes, Study Centres, Academic Centres and Colleges affiliated and/or associated to the University.

2.43 **Study Centres** means Distance Education Centres approved by the University under the advice of the Governing Body for imparting education in non-formal and distance mode in respect of any ot all courses offered by the University and located within or outside the State of Chhattisgarh in India and abroad. Such Study Centres for convenience may be designated as Delhi Campus, Mumbai Campus, Bangalore Campus, Hyderabad Campus, Patna Campus, Pune Campus, Gurgaon Campus, Noida Campus, Kolkata Campus, London Campus, Oxford Campus, Cambridge Campus, Nagpur Campus and likewise.

2.44 **University means** The G. H. Raisoni International University established under Section 5 of the Act and will have the same meaning as stated in Section 2 (f) of the University Grants Commission Act 1956 as amended from time to time.

2.45 **Vice Chancellor** means the Vice Chancellor of the University appointed within the meaning of Section 15 of the Act.

2.46 **Visitor** means the Visitor as defined under Section 13 of the Act.

3.0 Objects of the University

The main objectives of the University are as follows:

3.1 To provide instruction, teaching and training in the field of higher education; and make provisions for research, advancement and dissemination of knowledge.

3.2 To establish a campus in the State of Chhattisgarh and to have affiliated institutions, colleges, schools, and approved study centers Academic Centres, Off Campus prcgramme Centres /Institutions and to establish Regional Campus(es) at different places in India and other countries.

3.3 To create higher levels of intellectual abilities.

3.4 To establish state of the art facilities for education, training and research.

3.5 To offer programs through multi-modal form of education.

3.6 To institute degrees, diplomas, certificates and other academic distinctions on the basis of examination, or any other mode of evaluation and assessment as laid down by the academic council.

3.7 To ensure that the standard of the degrees, diplomas, certificates and other academic; distinctions of high standard.

3.8 To offer continuing distance education both formal and/or informal.

3.9 To affiliate, recognize or collaborate with any other college, University, Research institution, industry association , professional association, or to develop and run specific educational research programs, training programs, exchange programs and any such programs which the university may consider appropriate for students, faculty members and others.

3.10 To confer honorary degrees and other academic distinctions in the manner laid down in the Statutes.

3.11 To encourage and promote research activities and set up independent research institutions for pure and applied research, and institute awards and fellowships at institutions other than the University for undertaking research.

3.12 To affiliate or collaborate with any other college or university, research institution, industry association, professional association or any other organization, in India or overseas, to conceptualize, design and develop specific educational and research programs, training programs and exchange programs for students, faculty members and others:

3.13 To recognize the various courses and programs offered by the individuals, institutions, and organizations in various streams of education offered in the multimode methodology of teaching.

3.14 To undertake surveys, studies and consultancy for any organization in India or overseas.

3.15 To undertake programs of the training and development of faculty members of the University and other institutions in India or overseas.

3.16 To undertake collaborative research with any organization in India or overseas, and undertake commercialization of technologies.

3.17 To develop, register and license all forms of intellectual property rights, including, interalia, trademarks, copyrights, know-how and patents etc.

3.18 To conceptualize, design, develop and commercialize various products, equipment and machinery as part of the research and development activity.

3.19 To provide " Education For All" which includes Formal and Informal modes of instruction keeping in view the literacy and the educational needs of deprived sections of the society by establishing informal educational centers in and out side the state of Chhattisgarh, to achieve cent percent literacy and education at least up

to the level of Matriculation.

3.20 To bring higher education with in the reach of Majority of the youth aspiring higher qualification and / or research by a network of formal institutions such as regional campuses, off-campus programme centres and academic centres through out the country in accomplishment of the prime objective "Desired Education For All".

3.21 To encourage sports, cultural, extra curricular and co-curricular activities for students and staff.

3.22 To do all things necessary or expedient to promote the above objectives.

3.23 To pursue any other objectives as may be approved by the Board.

4.0 Appointment and Powers of the Chancellor

4.1 The Chancellor shall be appointed by the Sponsoring Body with the prior approval of the Visitor.

4.2 The term of office of the Chancellor shall be three years.

4.3 The Chancellor shall be the Chairman of the Governing Body and the Head of the University.

4.4 . The Chancellor shall preside over the Convocation of the University, when the Visitor is not present,

4.5 The Chancellor shall have the following powers :

4.5.1 To call for any information or record.

4.5.2 To appoint the Vice Chancellor.

4.5.3 To remove the Vice Chancellor.

4.5.4 To exercise such other powers as may be delegated to him by the Governing Body.

4.6 If in the opinion of the Sponsoring Body, the actions of the Chancellor are in any way detrimental to the interests of the University/ it may with prior approval of the Visitor, recall and replace the Chancellor. The Sponsoring Body shall appoint such other person as may be found appropriate in the position of Chancellor to succeed the person so acting with the prior approval of the Visitor.

4.7 The office of the Chancellor may be located any where in India or abroad.

5.0 Appointment, Powers and Responsibilities of the Vice-Chancellor

5.1 Appointment

5.1.1 The Vice-Chancellor shall be appointed by the Chancellor from a panel of three

persons recommended by the Governing Body. The recommendation of the name(s) for-the post Vice-Chancellor will be done after the due approval of the Sponsoring Body.

5.1.2 The term of the office of the Vice-Chancellor shall initially be Four years, and he may be re-appointed for successive term(s) by the Chancellor after due approval of the Sponsoring Body.

5.2 Powers :

5.2.1 The Vice-Chancellor shall be the principal executive and academic officer of the University and also the ex-officio member of the Governing Body, Board of Management, Academic Council, and such other committee that may be set up by the Governing Body or by the Board from time to time.

5.2.2 In absence of the Visitor and Chancellor, the Vice-Chancellor shall preside over the Convocation.

5.2.3 If in the opinion of the Vice-Chancellor it is necessary to take immediate action on any matter for which powers are conferred on any other authority by or under .the Act, he may take such action as he deems necessary and shall at the earliest opportunity thereafter report his action to such officer or authority as would have in the ordinary course dealt with the matter within seven days.

5.2.4 If in the opinion of the Vice-Chancellor any decision of any authority of the University is outside the powers conferred by the Act, Statutes or Ordinances or is likely to be prejudicial to the interests of the University, he shall request the authority concerned to revise its decision within seven days from the date of his decision and in case the authority refuses to revise such decision wholly or partly or fails to take any decision, within.

Explanation

5.2.4.1 Provided that if in the opinion of the authority concerned such action should not have been taken by the Vice-Chancellor then such case shall be referred to the Chancellor whose decision thereon shall be final.

5.2.4.2 Provided further that where any such action taken by the Vice-Chancellor affects any person in the service of the University such person shall be entitled to prefer, within thirty days from the date on which such action is communicated to him, an appeal to the Board of Management and the Board of Management may confirm or modify or reverse the action taken by the Vice-Chancellor.

5.3 Responsibilities:

The Vice Chancellor shall exercise general superintendence and control over the affairs of the University and shall execute the decisions of the various authorities of the University, and shall exercise such powers and perform such duties as may be prescribed by the Act and the Statutes.

5.4 Removal

5.4.1 If at any time upon representation being made or otherwise, and after making such enquiries as may be deemed necessary, the Chancellor with approval / recommendation of Sponsor by an order in writing stating the reasons therein, may ask the Vice-Chancellor to relinquish his office from such date as may be specified in the order.

5.4.2 If in the opinion of the Sponsor, the actions of the Vice-Chancellor are found to be in any way detrimental to the interests of the University, the Sponsor ,can recommend the Chancellor to appoint such other person as may be found appropriate in the position of Vice-Chancellor to succeed the person so acting. The Sponsor may stipulate the date from which such other person shall assume the office of the Vice-Chancellor.

6.0 Appointment, Powers and Duties of the Registrar

6.1 The Registrar shall be appointed by the Vice Chancellor, based on the recommendation of the Selection Committee appointed for the purpose, with the approval of the Chancellor.

6.2 The Selection Committee shall consist of the following members :

i) One Representative of the Vice Chancellor.

ii) One Representative of the Sponsoring Body, who is also a member of thE Governing Body,

iii) One expert nominated by the Sponsoring Body, who is not in any way connected with the University,

6.3 The term of office of the Registrar shall not exceed 3 years.

6.4 The Registrar shall have such qualifications and experience and draw such emoluments as may be prescribed by the Board of Management from time to time.

6.5 The Registrar shall undertake all such functions and responsibilities as may be specified by the Governing Body, the Board of Management and the Vice Chancellor.

6.6 The Registrar shall be the ex-officio non-member Secretary of the Board of

Management and ex-officio Secretary of the Academic Council and such other authorities and bodies as may be constituted by or under the Act, the Statutes and the Ordinances as recommended by the Board of Management.

6.7 The Registrar shall report to the Vice Chancellor.

6.8 The following shall be the duties of the Registrar:

6.8.1 To be the custodian of the records, common seal and such other property of the University as the Governing Body or the Board of Management shall commit to his charge.

6.8.2 To exchange the official correspondence on behalf of the authorities of the University.

6.8.3 To make Agenda and issue Notices of meetings of the authorities of the University and all Committees and Sub-Committees appointed by any of these authorities with the approval of the Vice Chancellor.

6.8.4 To keep the minutes of the meetings of the all the authorities and Sub-Committee appointed by any of these authorities and circulate the same among the members, with the approval of the Vice Chancellor.

6.8.5 To represent the University in suits or proceedings by or against the University, sign powers of attorney and pleadings or depute as representatives for this purpose.

6.8.6 To sign contracts and documents and authenticate records on behalf of the University.

6.8.7 To submit information, reports and documents to the Government and liaise with the State Government, Central Government, University Grants Commission and other Government authorities.

6.8.8 To generally supervise the administrative functions of the University.

6.9 Removal of the Registrar

6.9.1 The Registrar shall hold his office as long as he enjoys the confidence of Vice-Chancellor. The Vice-Chancellor may ask him to relinquish the office by giving three months notice.

6.9.2 The Vice-Chancellor may appoint another person to hold the office pf the Registrar with prior approval of Board and decide a date to resume the office of the appointee in such case the outgoing Registrar will cease to hold the office the moment new appointee assumes the charge.

7.0 Appointment, Powers and Duties of the Chief Finance and Accounts Officer.

7.1 The Chief Finance and Accounts Officer shall be appointed by the Vice Chancellor based on the recommendation of the Selection Committee appointed for the purpose.

7.2 The Selection Committee shall consist of:

7.2.1 The Vice Chancellor - Chairman.

7.2.2 One Representative of the Chancellor.

7.2.3 One Representative of the Sponsoring Body who is also a Member of the Governing Body.

7.2.4 One Expert Nominated by the Sponsoring Body who is not in any way connected with the University.

7.3 The Chief Finance and Accounts Officer shall have such qualifications and experience as may be prescribed by the Board of Management from time to time.

7.4 The Chief Finance and Accounts Officer shall draw such salary, allowances and be entitled to such perquisites which shall be fixed by the Board of Management from time to time.

7.5 The term of office and the terms of appointment of the Chief Finance and Accounts Officer shall be as mentioned in his order of appointment by the Vice Chancellor.

7.6 The Vice Chancellor may appoint a person to officiate as the Chief Finance and Accounts Officer, in the event of temporary absence of the Chief Finance and Accounts Officer.

7.7 The Chief Finance and Accounts Officer shall exercise general supervision over the funds of the University and shall have such powers and responsibilities as may be delegated or assigned to him by the Board of Management or the Finance Committee.

7.8 The Chief Finance and Accounts Officer shall report to the Vice Chancellor

7.9 Removal of the Chief Finance & Accounts Officer:

7.9.1 The Chief Finance & Accounts Officer shall hold his office as long as he enjoys the confidence of Vice-Chancellor . The Vice-Chancellor may ask him to relinquish the office by giving three months notice.

7.9.2 The Vice-Chancellor may appoint another person to hold the office of the Chief

Finance & Accounts Officer with prior approval of Board and decide a date to resume the office of the appointee in such case the outgoing Chief Finance & Accounts Officer will cease to hold the office the moment new appointee assumes the charge.

8.0 Authorities of the University :

8.1 The Governing Body.

8.2 The Board of Management.

8.3 The Academic Council

8.4 The Finance Committee

8.5 The Examination Committee

The powers and functions of the authorities will be as per the following pages / paragraphs.

9.0 The Governing Body :

The Governing Body shall be the supreme authority of the University.

9.1 Constitution of the Governing Body:

The Governing Body shall consist of the following members:

9.1.1 The Chancellor

9.1.2 The Vice Chancellor

9.1.3 Three Persons nominated by the Sponsoring Body.

9.1.4 One Representative of the State Government.

9.1.5 One Educationist of repute to be nominated by the State Government

9.1.6 One Academician to be nominated by the Visitor.

The Chancellor shall be the Chairman of the Governing Body

9.2 Term of the Governing Body

The Members of the Governing Body shall have a term of 3 years.

9.3 Disqualifications of the Members of the Governing Body

The Members of the Governing Body shall cease to be the Member under the following circumstances;

9.3.1 If the member is convicted in a court of law for any criminal act including acts of moral turpitude or for any other reason and no stay order has been passed by the higher court against conviction.

9.3.2 If the act and conduct of a member is detrimental to the interest of the University the Sponsoring Body shall have the powers to replace or

recall any such member in consultation with the nominating authority.

9.4 Powers and Functions of the Governing Body

9.4.1 The Governing Body shall have the following powers :

(i) To appoint the Director, to coordinate the functions and activities of the Deans of Schools, Colleges and Study Centres and to manage the affairs of the University in the absence of the Vice Chancellor.

(ii) To appoint all Deans and Administrator(s).

(iii) To appoint Auditors of the University.

(iv) To oversee the performance and review the decisions of other authorities of the University in case they are not in conformity with the Act, Rules, Statutes or Ordinances.

(v) To approve the Annual Report and Accounts of the University.

(vi) To lay down the policies of the University.

(vii) To take decision about the voluntary liquidation of the University.

(viii) To delegate such powers as it may deem fit to the Board of Management and other authorities or officers of the University.

9.4.2 The Governing Body shall perform such other functions and have such other powers as are not otherwise provided for and are necessary for proper functioning and administration of the University.

9.5 Reserved Powers of the Governing Body

9.5.1 In case of any deadlock in the functioning of the Board of Management and if in the opinion of the Governing Body the business of the University cannot be transacted in the normal course, the Governing Body shall have the powers to do all necessary things including superseding the Board of Management and forming a new Board to facilitate smooth functioning of the University.

9.5.2 The Governing Body may also exercise the reserved powers suo-moto or as and when a written report is submitted by any officer or authority of the University to the Chancellor or the Vice Chancellor about the deadlock in the functioning of the Board.

9.5.3 Upon receipt of such a report the Chancellor or the Vice Chancellor

shall convene a special meeting of the Board within 5 working days for restoration of normally of operations.

9.5.4 The decisions taken by the Governing Body and implemented by the Officers under the clause shall be final and binding on all Members of the Board and on all the Members of the Governing Body.

9.6 Meetings of the Governing Body

9.6.1 The Governing Body shall meet at least twice in a calendar year, on any working day, at the headquarters of the University or at any other location(s) as agreed to by majority of the Members.

9.6.2 The Chancellor shall be the Chairman of the Governing Body and shall preside over the meetings of the Governing Body. In the absence of the Chancellor, the Vice Chancellor shall preside over the meeting.

9.6.3 A notice of 07 days shall be given to the Members stating the agenda for the meeting. A notice of less than 07 days may be considered sufficient if majority of the members agree of such a shorter notice.

9.6.4 The quorum of the meeting shall be 4 Members present in person.

9.6.5 Each Member of the Governing Body including the presiding officer shall have one vote and decisions at the meeting shall be adopted by simple majority.

9.6.6 The presiding officer of the meeting shall cause the minutes of the meeting to be recorded and circulated to the members within a period of one month from the date of such a meeting.

9.7 Extraordinary Meeting of the Governing Body

9.7.1 In the event of exigency, the Chancellor and the Vice Chancellor may call for an extraordinary general meeting of the Governing Body.

9.7.2 The Sponsoring Body, may in the event of exigency and/or in the interest of the administration of University, in consultation with the Chancellor or the Vice Chancellor call for an extraordinary meeting of the Governing Body by circulating a resolution amongst the Members.

9.7.3 The Chancellor or the Vice Chancellor may, under exigencies, obtain the consent of the Governing Body by circulating appropriate resolution among its members any such resolution so circulated and

approved by a simple majority shall be as effective and binding as if such resolution had been passed at the meeting of the Governing

10.0 The Board of Management

The Board of Management shall be the principal executive body of the University.

10.1 Constitution of the Board of Management

10.1.1 Following Members shall constitute the Board,

(i) The Vice Chancellor (Ex-Officio).

(ii) Two Nominees of the Sponsoring Body.

(iii) One Representative to be nominated by the State Government.

(iv) Senior most Professor of the University to be nominated by the Vice Chancellor.

10.1.2 The Vice Chancellor shall be the Chairman of the Board and the Registrar shall be the non-member Secretary.

10.1.3 The Vice Chancellor shall preside over the meetings of the Board and in the absence of the Vice Chancellor one of the Nominees of the Sponsoring Body shall conduct the proceedings of the meeting.

10.1.4 The tenure of the Members of the Board of Management shall be three years, except in the case of Ex-Officio Members.

10.2 Disqualifications of the Members of the Board.

The members of the Board of Management shall cease to be the member under the following circumstances :

10.2.1 If the individual member is convicted in a court of law for any criminal act including acts of moral turpitude or for any other reason and no stay order has been passed by the higher court against conviction.

10.2.2 If in the opinion of the Chancellor, a Member of the Board acts in a way detrimental to the interests of the University, the Chancellor may in consultation with the nominating authority ask such member to relinquish his office from such date as may be specified.

10.3 Meetings of the Board :

10.3.1 The Board of Management shall meet as often as necessary, and at least once in three calendar months.

10.3.2 The meetings shall be convened by the Registrar.

10.3.3 A notice of 07 days shall be given for the meeting provided that an emergency meeting may be convened at the discretion of the Vice Chancellor at a short notice of not less than 02 days.

10.3.4 The quorum of the meeting shall be 3 members present in person.

10.3.5 Each member of the Board including the Chairman/Presiding Officer shall have one vote and decisions at the meeting shall be taken by simple majority. In case of a tie, the presiding officer shall exercise a casting vote.

10.3.6 The Registrar shall cause recording of minutes of the meeting, with he approval of the Vice-Chancellor and circulate them to the member concerned within a period of one month from the date of conduction of the meeting.

10.3.7 The Vice Chancellor may, under exigencies, obtain the consent of the Board by circulating appropriate resolution among its Members and any resolution so circulated and approved by a simple majority shall be as effective and binding as if such resolution had been passed at the meeting of the Board.

10.4 Powers and Functions of the Board of Management

The Board of Management shall have the powers to take all the necessary decisions for smooth and efficient functioning of the University. The Powers shall interalia include but not be limited to the following:

10.4.1 Staffing:

10.4.1.1 To manage and administer all revenues and properties of the University and to conduct all administrative affairs of the University not otherwise specifically provided for.

10.4.1.2 To create teaching, academic, administrative, ministerial and other necessary posts and to decide on the number, qualifications and cadre thereof, and to determine the emoluments for such posts in consultation with the Finance Committee.

10.4.1.3 To appoint Directors, Associate Directors, Principals, Vice Principals, Deans, Associate Deans, Professors, Associate Professors, Assistant Professors, Senior Lecturers, Junior Lecturers, Operational Staff, Administrative, Ministerial and other Staff as may be necessary on recommendations of the Selection Committee.

10.4.1.4 To lay down rules in respect of emoluments and duties of the various academic and non-academic staff recruited by the University.

10.4.1.5 To lay down rules for appointment of Visiting Fellows, Visiting Professors, Professor Emeritus, Consultants, Scholars and determine their terms and conditions of such appointments.

10.4.1.6 To appoint internal auditors to undertake audit of the various functions

of the University.

10.4.2 Academic Matters

10.4.2.1 To generally lay down, in consultation with the Academic Council, the academic policies, education and teaching standard and policies relating to students admission, examinations and award of degrees, diplomas and certificates and other academic awards or distinctions.

10.4.2.2 To establish, on the advice of the Academic Council, Schools and Colleges specific to a discipline of Higher Education and to allocate areas of Study, Teaching and Research to them.

10.4.2.3 To institute Fellowships, Scholarships, Studentships, Medals and Prizes in accordance with the Regulations.

10.4.2.4 To lay down rules regarding the emoluments and traveling and other allowances of examiners appointed for examination, tabulation and such other personnel appointed for examination, in consultation with the Academic Council and the Finance Committee.

10.4.2.5 To acquire intellectual property rights, copyright, trade marks and the like from any institution or organization, on such terms and conditions as the Board may determine, and pay such compensation for the acquisition as may be just and equitable.

10.4.3 Finance:

10.4.3.1 To consider the budget as recommended by the Finance Committee and to approve the same with or without modifications.

10.4.3.2 To manage and administer the revenues, regulate the finance, accounts, investments, property and all other administrative affairs of the University and for that purpose appoint such agent(s)/ representative(s)/consultant(s) it may deem fit.

10.4.3.3 To open account(s) of the University with any one or more nationalized/scheduled banks and to lay down the procedure for operating the same.

10.4.3.4 To draw, accept, make, endorse, discount and negotiate securities of the Government promissory notes, Bills of exchange, Cheques or other negotiable instruments.

10.4.3.5 To receive and give grants, donations, contributions, gifts, prizes, scholarship, fees and other moneys.

10.4.3.6 To purchase, take on lease, accept as gift or otherwise any land or

buildings or work which may be required for the purposes of the University on such terms and conditions as deemed appropriate and to construct or alter and maintain any such buildings or works.

10.4.3.7 To transfer or accept transfers of any moveable property on behalf of the University.

10.4.3.8 To advise the Sponsoring Body on matters regarding acquisition, management and disposal of any immovable property on behalf of the University.

10.4.3.9 To execute in consultation with the Sponsoring Body, conveyance, transfer re conveyances, mortgages, leases, bonds, licenses and agreements in respect of property, moveable or immovable, belonging to the University or to be acquired for the purposes of the University.

10.4.3.10 To provide building(s), premises, furnitures, fittings, equipments, appliances and other facilities required for smooth functioning of the University.

10.4.3.11 To appoint, in order to execute an instrument or transact any business of the University, any person as attorney of the University with such, powers as it may deem fit.

10.4.3.12 To invest the funds of the University or money entrusted to the University, in such securities and in such manner as it may deem fit and from time to time transpose any investment.

10.4.3.13 To raise and borrow notes or other obligations or securities in consultation with the Sponsoring Body by providing properties and assets of the University as security, or borrow money without any securities, and upon such terms and conditions as it may think fit, and to pay out of the funds of the University, all expenses, incidental to the raising of money and to repay and redeem any money borrowed.

10.4.3.14 To establish, maintain and operate the General Fund as stipulated in Section 7 and 8 of the Act and Section 22.0 of these First Statutes.

10.4.3.15 To maintain proper accounts and other relevant records and prepare Annual Statements of Accounts including the Balance Sheet for every previous financial year, in such form as may be prescribed by the Regulations and submit the same to the Governing Body for their approval.

10.4.3.16To fix limits of the total non-recurring expenditure for a year on the recommendations of the Finance Committee.

10.4.4 Students Affairs :

10.4.4.1 To regulate and enforce discipline among the students of the University and to take appropriate disciplinary action wherever necessary.

10.4.4.2 To entertain and adjudicate upon appeals and grievance of the students of the University through the Committees set up for the purpose.

10.4.4.3 To establish and regulate the maintenance of hostels for the students for the University and recognize hostels established by outside parties on the basis of the recommendations of a committee established for the purpose.

10.4.5 Administrative and Legal Matters :

10.4.5.1 To enter into, vary, carryout and cancel contracts on behalf of the University and to do all such acts as are necessary to raise resources for furthering the objectives of the University.

10.4.5.2 To grant leave of absence to any officer of the University other than the Chancellor and the Vice Chancellor and to make necessary arrangements for discharge of the functions of such officers during their absence.

10.4.5.3 To regulate and enforce discipline among the employees of the University and to take appropriate disciplinary action whenever necessary.

10.4.5.4 To entertain, adjudicate upon and if considered fit, to redress any grievances of the employees of the University, who may, for any reason fall aggrieved.

10.4.5.5 To select an emblem and to have a common seal for the- University and to provide for the custody and use of such seal.

10.4.5.6 To conduct inspections and enquires in various departments, centres, institutions and affiliated colleges of the University and initiate corrective action wherever needed.

10.4.6 Formation of Committees :

The Board of Management may form such Committees for such purposes and with such powers as the Board may deem fit and co-opt such persons on these committees as it thinks fit.

11.0 Delegation of Powers :

The Governing Body and the Board of Management may by a-resolution, delegate the Vice Chancellor, the Registrar, the Standing Committee or the Ad-hoc Committee, such of its powers as it may deem fit, subject to the condition that the action taken by the Vice

Chancellor or the Standing Committee or the Ad-hoc Committee, or any of their Officers to whom such powers are delegated, shall be reported at the next meeting of the Governing Body and the Board of Management.

12.0 The Academic Council:

The Academic Council shall be the principal academic body of the University and shall, subject to the provisions of the Act, the Statutes, the Ordinances and the Regulations, coordinate and exercise general control and supervision over the academic policies and programmes of the University and be responsible for the maintenance of standards of education, teaching and training, interdepartmental coordination, research, examination and tests within the University.

12.1 Constitution of the Academic Council:

12.1.1 The Academic Council shall consist of the following members:

a. The Vice-Chancellor.
b. The Registrar.
c. Two Heads of various Institutions under the University to be nominated by Chancellor.
d. Two faculty members to be nominated by the Chancellor.
e. Two outside experts nominated by the Chancellor.
f. Two members of Sponsor.
g. The Deans by virtue of their office shall be the ex-officio members.

12.1.2 The Vice Chancellor shall be the Chairman of the Academic Council.

12.1.3 The term of the Members of the Academic Council other than the Ex-officio Members shall be two years. However, in the case of the employees of the University, the term shall end immediately after their relinquishing their office at the University.

12.1.4 Subject to the provisions of this Act, Statutes, Ordinances and the Regulations, the Academic Council shall have the powers to control, regulate and maintain the standards of education, instruction and examination of the University and shall exercise such other powers and functions as may be conferred or imposed upon it by this Act, Statutes or the Ordinances.

12.1.5 The Vice Chancellor may invite such other persons as he may deem fit, to attend the meetings of the Academic Council from time to time. However, the invitees shall not be eligible to vote on any of the resolutions of the Academic Council.

12.2 Disqualification of the Members of the Academic Council:

12.2.1 Where a person has become a Member of the Academic Council by reason of the office of appointment he holds, his membership shall terminate when he ceases to hold that office or appointment.

12.2.2 A member of the Academic Council shall cease to be a member in the following circumstances also:

(i) If the member resigns from the Academic Council,

(ii) If the member becomes mentally unsound.

(iii) If the members had been convicted of a criminal offence involving moral turpitude or any other reason, and a higher court has not stayed such conviction.

(iv) If the member fails to attend three consecutive meetings of the Academic Council without-leave from the Chairman.

12.3 Meetings of the Academic Council :

12.3.1 The Academic Council shall meet as often as may be necessary.

12.3.2 One third of the total members of the Academic Council shall constitute the quorum of the meeting of the Academic Council.

12.3.3 Resolutions of the Academic Council may be passed through circulation among all the members, except in cases where such Resolution are required to be passed at a meeting. The resolutions so circulated and approved by a simple majority shall be as effective and binding as if such Resolution had been passed in the meeting of the Academic Council, provided that at least one half of the total number of the members of the Academic Council have recorded their views on the Resolution.

12.4 Functions and Powers of the Academic Council :

Subject to the provisions of the Act, Statutes and the Ordinances, the powers of the Academic Council shall include, interalia, the following:

12.4.1 To exercise general supervision over the academic work of the University and to give direction regarding methods of instructions, evaluation, research and improvement in the academic standards.

12.4.2 To report and act on any matter referred to or delegated to it by the Board.

12.4.3 To formulate different courses and programmes to be imparted to the students of the University.

12.4.4 To lay down the curriculum and frame syllabus for any of the courses and programmes offered by the University, and publish text books and other instructional material for the same.

12.4.5 To innovate, constantly upgrade and improve the syllabus to include emerging and futuristic technologies.

12.4.6 To make recommendations to the Board, with regard to creation, abolition or classification of teaching posts in the University and the emoluments and the duties attached thereto.

12.4.7 To formulate and modify or revise schemes for the organisation of the faculties, colleges and schools and to assign to such faculties, schools and colleges, their respective subjects and also to report to the Board as to the expediency of the abolition or division or combination of one faculty, college and school with another.

12.4.8 To make regulations for lateral entry of students from other Universities/Boards of Technical Education of Indian or Foreign Origin.

12.4.9 To promote research activities and programmes, and to ask for, from time to time, reports on such research activities and programmes from faculties, colleges and schools.

12.4.10 To consider proposals submitted by the faculties, schools and colleges relating to instructions, teaching facilities, etc.

12.4.11 To appoint Committees for admission of students to the University.

12.4.12 To recognise Diplomas and Degrees of other Universities and institutions located in India and abroad and to determine their equivalence in relation to the Diplomas and Degrees of the University on reciprocal basis in consultation with the Association of Indian Universities (AIU).

12.4.13 To make regulations for awarding admission to Secondary, Post Secondary, Under-Graduate, Graduate, Post-Graduate and Doctoral programmes of the University to such candidates who do not posses formal University/Technical Education Board/Secondary Board of Education qualification otherwise mandatory for admission to such courses but have the prescribed age, quantifiable knowledge, skills and competencies in the related discipline.

12.4.14 To approve conferment of degrees, honours, diplomas, licenses, titles and marks of honour on the basis of the results declared.

12.4.15 To make guidelines for the award of fellowships, stipends, scholarship, medals and prizes, etc., and empower the Vice Chancellor or any other officer of the University to approve the eligible candidates for such awards.

12.4.16 To prepare such forms and registers as are, from time to time, prescribed by regulations and to perform, in relation to academic matters, all such duties and to do all such acts, as may be necessary, for the purposes of the provisions of the Act, Statutes, Ordinances and/or the regulations.

12.4.17 To make recommendations to the Board of Management on :

(i) Measures for improving standards to teaching, training, research and examinations.

(ii) Institution of Fellowships, Exchange Programmes, Scholarships, Medals, Prizes, etc.

(iii) Regulation covering the academic functioning of the University and its departments, colleges and institutions, discipline, residence, admissions, examinations, award of fellowships and studentship, freeship, concessions, attendance, etc. and submit the same to the Board of Management for approval.

12.4.18 To suggest measures for departmental co-ordination.

12.4.19 To appoint Committees consisting of such members as the Academic Council may deem fit to deal with any of the matters ordinarily dealt with by the Academic Council.

12.4.20 To approve new courses not being offered by the University,

13.0 The Board of Advisors

The Governing Body may by a resolution constitute a Board of Advisors. The Board of Advisors will render advice to the Governing Body as also the Board of Management in managing the affairs of the University and enhancing its academic standards. The members of the Board of Advisors shall consist of eminent educationists, industrialists and public figures, members nominated by sponsoring body besides selected members drawn from the Governing Body and the Academic Council and the schools, colleges and the study centres of the University in India and abroad.

14.0 Examination Committee

14.1 The Vice Chancellor shall constitute an Examination Committee for the purpose of recommehding suitable persons for appointment as examiners for various examinations and for suggesting evaluation methods for each subject.

14.2 The Examination Committee shall consist of:

(i) The Vice Chancellor – Chairman

(ii) Dean of the Faculty

(iii) Two Professors from the College / School of the University.

(iv) One Expert nominated by the Chancellor.

14.3 The Examination Committee shall recommend a panel of Examiners for each subject of the courses of study to the Vice Chancellor.

14.4 The Vice Chancellor shall ordinarily appoint Examiners from the panel recommended by the Examination Committee. He may appoint examiners outside the panel, if he deems it fit and necessary.

15.0 Results Committee

15.1 The Vice Chancellor shall constitute a Results Committee to approve the results of various examinations before they are declared.

15.2 The Results Committee shall consist of;

(i) Vice Chancellor - Chairman

(ii) Dean/ Head of the Institutions / Colleges / Schools of the University

(iii) One Expert nominated by the Chancellor.

(iv) The Registrar.

16.0 The Finance Committee and its Constitution :

The Governing Body shall appoint the Finance Committee.

The Finance Committee shall consist of the following members :

(i) President of the sponsor or his nominee.

(ii) The Vice Chancellor

(iii) The Registrar

(iv) The Chief Finance and Accounts Officer.

(v) Two Nominees of the Sponsoring Body.

The President of the sponsoring body or his nominee shall be the Chairman of the Committee and in his absence, one of the nominees of the Sponsoring Body or Vice Chancellor shall preside over the meetings of the Committee.

16.1 Meetings of the Finance Committee

16.1.1 The Committee shall meet as often as necessary.

16.1.2 One third of the members of the Committee shall constitute the quorum.

16.1.3 The Chief Finance Officer shall call the meeting of the Finance Committee with the approval of the Vice Chancellor.

16.2 Powers and Functions of the Finance Committee :

16.2.1 To make recommendations on all financial matters to the Board.

16.2.2 To consider all proposals for capital expenditures and to make recommendations to the Board.

16.2.3 To examine the annual accounts of the University and advise the Board.

16.2.4 To examine the annual budget estimate and advise the Board thereon.

16.2.5 To review the financial position of the University periodically and recommend to the Board any action to be taken.

16.2.6 To keep a constant watch on the state of cash and bank balances and on the state of investments.

16.2.7 To ensure that the limit fixed by the Governing Body for recurring and non-recurring expenditure for a year are not exceeded and that all moneys are spent for the purpose for which they have been granted/allotted.

16.2.8 To review the internal controls and act on the comments of the internal auditors.

16.2.9 To make recommendations to the Board on all proposals involving the raising of funds, receipts and expenditure.

16.2.10 To determine and fix the fee payable by the students of the University and lay down the procedure thereof.

16.2.11To fix the basis for charging consultancy and other fee to be charged by the University.

16.2.12 To generally perform and act on any of the activities that may be delegated by the Board or the Governing Body.

16.2.13 To recommend to the Board appropriate action against person(s) responsible for unauthorised expenditure and any financial irregularity.

16.2.14 To hold and manage the property and investments of the University including endowed property.

16.2.15To ensure that the registers of the buildings, land, furniture and equipments are maintained up to date and that the stock taking is carried out periodically.

17.0 Constitution of Standing Committee and Adhoc Committee

17.1 The Board of Management may, by a resolution in a duty conducted meeting appoint a Standing Committee or an Adhoc Committee and/or Enquiry Committee by defining -

(i) The purpose of appointment.

(ii) The constitution

(iii) The tenure of the Committee

(iv) The financial budget

(v) The procedure to be adopted

(vi) The rights and obligations of the Committee

(vii) The facilities to be acquired and

(viii) Other matters relevant or incidental to complete the purpose for which it is appointed.

17.2 The Committee so appointed shall exercise their powers and functions within the delegated authority. Neither the University nor the Governing Body, nor the Board of Management shall be accountable for the authority of powers used outside the scope of delegation by such Committees.

17.3 Such Committees shall be automatically dissolved on the completion of their tenure or after completion of the tasks assigned to them by the authority appointing them unless extension in the tenure is granted by the said authority.

18.0 Advisory Committee

18.1 Board of Management may appoint an Advisory Committee for the purpose of rendering advice to it and the Board in matters relating to the conduct of the affairs of the University or for such other purposes as it may prescribed from time to time.

18.2 The Advisory Committee shall consist of eminent people and also include the members of the Governing Body and the Representatives from Schools, Colleges and Study Centres of the University.

18.3 The Board may direct the Academic Council, Finance Committee and/ or any other Committees set up under the Act or these Statutes to follow in the recommendations of the Advisory Committee.

18.4 The Board shall define the functions and powers while establishing such Committees.

19.0 Service Conditions for Faculty Members, Officers and Other Employees.

19.1 The Board shall formulate the terms and conditions of appointment and service of Faculty Members, Officers and Employees.

19.2 The Registrar shall issue the appointment letters to Faculty Members, Officers and Employees in accordance with the policies and procedures as formulated by the Board.

20.0 General Fund

The University shall establish a fund which shall be called the General Fund to which shall be credited the following namely :

20.1 Fees and other charges received by the University.

20.2 Any contribution made by the Sponsoring Body.

20.3 Any income received from consultancy and other work undertaken by the University in pursuance of its objectives.

20.4 Trusts, bequests, donations, endowments and any other grants.

20.5 All other sums received by the University.

20.6 The General Fund shall be used for the purposes enumerated in the Act.

21.0 Budget

21.1 The Chief Finance and Accounts Officer, with the approval of the Finance Committee, based on the proposed budgets received from different colleges, institutes of the University shall prepare an annual budget for the forthcoming financial year, and submit at least two months before the beginning of financial year to the Board for the purposes of approving the same. The Board, upon the merits may suggest modifications, alternations or additions or approve the same with or without modifications and such approved budget will be the annual budget of the University for the year.

21.2 No expenditure other than that provided in the budget shall be incurred by the colleges and institutes of University without the approval of the Finance Committee.

21.3 The Finance Committee may consider any revision of the Budget based on the recommendation of the Chief Finance and Accounts Officer and shall place the same for rectification by the Board, at a subsequent meeting of the Board.

22.0 Accounts and Audit

22.1 The accounting year of the University shall be from 1st April of a year to 31st March of the following year.

22.2 The accounts of various institutions, schools, colleges and campuses of the University shall be consolidated by the Chief Finance and

Accounts Officer who shall prepare the final annual accounts, consisting of the Income and Expenditure Account and the Balance Sheet of the University and place the same before the Finance Committee for their comments. The appropriations or absorptions of excess of expenditure and income shall be decided by the Finance Committee. The accounts will thereafter be adopted by the Board after which they will be audited by the Auditors appointed by the Governing Body.

22.3 All the assets of the University shall be maintained in the name of the University and shall be used for the settlement of liabilities at the time of liquidation or closure of the University under Section 33 and 34 of the Act.

22.4 The accounts of the University shall be open to examination by the Chancellor, Vice Chancellor, Registrar, Auditor of the University and any other person authorised by the Governing Body or the Sponsoring Body for the purpose.

22.5 Every Balance Sheet and Income and Expenditure account of the University shall comply with the relevant accounting standard as may be prescribed by the Government of India in consultation with the National Advisory Committee on Accounting Standards.

22.6 The Vice Chancellor shall place the audited financial statements before the Governing Body, alongwith the report of the Auditors for information.

22.7 The Chief Finance and Accounts Officer, thereafter along with the Annual Report of the University, shall submit such financial statements to the Visitor and the State Government as provided under Section 30 of the Act.

23.0 Arbitration in case of Disputes

23.1 The Vice Chancellor shall be responsible for resolution of disputes and grievances between the teachers, officers, other employees and the students of the University.

23.2 The Vice Chancellor may delegate the responsibility for arbitration to the Registrar or the Deans as he may deem fit.

23.3 Any person who is aggrieved of the decision of the Vice Chancellor may appeal to the Chancellor within 15 days of communication of the decision by the Vice Chancellor.

23.4 Where it is found necessary, the Chancellor may appoint an Arbitration Committee to arbitrate such disputes and grievances with such constitution and such powers as he may deem fit.

23.5 The procedures for arbitration of disputes shall be laid down by the Board.

24.0 Regulations and Manuals

24.1 Save as otherwise provided in the Act, and the Statutes, the Board may make Regulations, as empowered under Section 37 of the Act, to conduct the business of the University and attain the objectives for which iris established. The Regulations may, interalia relate to the following

24.1.1 Establishment of Schools / Colleges / Faculties and Halts of Residence.

24.1.2 The Courses of Study to be laid down for all degrees, diplomas and certificates of the University.

24.1.3 The grant of academic award and distinctions.

24.1.4 Number of seats in different programmes of the University, not otherwise prescribed for by any other statutory body authorised for the purpose.

24.1.5 Reservation of seats in different programmes of the University not otherwise prescribed for by any other statutory body authorised for the purpose.

24.1.6 Admission of the students and their Enrolment.

24.1.7 Fee and other charges payable by the students.

24.1.8 Examination and Student Assessment.

24.1.9 Award of scholarship, bursaries, fee waivers, etc. to students.

24.1.10 Discipline of students and staff.

24.1.11 Resolution of disputes among students and staff and procedure for arbitration.

24.1.12 Conferment of Honorary degrees to distinguished persons.

24.1.13 Finance and administration of the University.

24.2 The Board may appoint an Ad-hoc Committee to draft the Regulations and to prepare manuals for different departments/functions of the University.

24.3 The Committee appointed above, shall have such members as nominated by the Board and perform all the functions as required under the order of appointment/ constitution.

24.4 On satisfying themselves on the Regulations made out by the Committee appointed for the purpose, the Board may adopt them for the University.

24.5 Each and every authority and officer, teaching and non-teaching staff, members of the Committees and students are bound to adhere to the provisions and procedures laid down in the manual of instructions drafted for the purpose.

24.6 The Board shall have right to alter amend, frame new rules and

regulations which are not inconsistent with the provisions of the Act for the purpose of conducting the activities of the University for which it is established.

24.7 The establishment of Distance Education Study Centres, Academic Centres, Examination Centres, etc.

24.8 The creation, composition and functions of any Committee or Body, which is considered necessary for the work of the University.

24.9 The preparation and submission of budget estimates.

24.10 The procedure for convening a meeting of any authority and the conduct of the same.

25.0 Interpretation

25.1 In the event of conflict of opinion with regard to the interpretation of the Statutes, Ordinances and Regulations, the provisions of the Act shall prevail.

25.2 The decision of the Governing Body on interpretation shall be final and binding.

राजस्व विभाग

कार्यालय, कलेक्टर, जिला दुर्ग, छत्तीसगढ़ एवं पदेन उप-सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, राजस्व विभाग

दुर्ग, दिनांक 24 जनवरी 2004

क्रमांक 131/ले.पा./2004/भू-अर्जन.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्र. एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5-अ के उपबंध उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं.

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2) के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (एकड़ में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
दुर्ग	गुण्डरदेही	गब्दी प. ह. नं. 6	11.53	कार्यपालन यंत्री, खरखरा मोहदीपाट परियोजना संभाग, दुर्ग (छ. ग.)	खरखरा मोहदीपाट परि. के अंतर्गत गब्दी माइनर क्र. 2 के निर्माण हेतु अर्जित होने वाली भूमि.

भूमि का नक्शा (प्लान) अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), पाटन, मुख्यालय दुर्ग के कार्यालय में देखा जा सकता है.

दुर्ग, दिनांक 24 जनवरी 2004

क्रमांक 132/ले.पा./2004/भू-अर्जन.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्र. एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5-अ के उपबंध उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं.

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2) के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (एकड़ में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
दुर्ग	गुण्डरदेही	खुरसुनी प. ह. नं. 2	6.09	कार्यपालन यंत्री, खरखरा मोहदीपाट परियोजना संभाग, दुर्ग (छ. ग.)	खरखरा मोहदीपाट परि. के अंतर्गत खुरसुनी माइनर क्र. 1 एवं 2 एवं खुरसुल माइनर के निर्माण हेतु अर्जित होने वाली भूमि.

भूमि का नक्शा (प्लान) अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), पाटन, मुख्यालय दुर्ग के कार्यालय में देखा जा सकता है.

दुर्ग, दिनांक 24 जनवरी 2004

क्रमांक 133/ले.पा./2004/भू-अर्जन.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्र. एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5-अ के उपबंध उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं.

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2) के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (एकड़ में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
दुर्ग	गुण्डरदेही	माहूद प. ह. नं. 5	6.98	कार्यपालन यंत्री, खरखरा मोहदीपाट परियोजना संभाग, दुर्ग (छ. ग.)	खरखरा मोहदीपाट परि. के अंतर्गत भरदाकला माइनर के निर्माण हेतु अर्जित होने वाली भूमि.

भूमि का नक्शा (प्लान) अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), पाटन, मुख्यालय दुर्ग के कार्यालय में देखा जा सकता है.

दुर्ग, दिनांक 24 जनवरी 2004

क्रमांक 134/ले.पा./2004/भू-अर्जन.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्र. एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5-अ के उपबंध उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं.

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2) के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (एकड़ में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
दुर्ग	गुण्डरदेही	खुरसुल प. ह. नं. 6	17.51	कार्यपालन यंत्री, खरखरा मोहदीपाट परियोजना संभाग, दुर्ग (छ. ग.)	खरखरा मोहदीपाट परि. के अंतर्गत मासाभाट डिस्ट्रीब्यूटरी एवं खुरसुल माइनर के निर्माण हेतु अर्जित होने वाली भूमि.

भूमि का नक्शा (प्लान) अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), पाटन, मुख्यालय दुर्ग के कार्यालय में देखा जा सकता है.

दुर्ग, दिनांक 24 जनवरी 2004

क्रमांक 135/ले.पा./2004/भू-अर्जन.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्र. एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5-अ के उपबंध उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं.

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (एकड़ में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
दुर्ग	गुण्डरदेही	मोहदीपाट प. ह. नं. 2	9.43	कार्यपालन यंत्री, खरखरा मोहदीपाट परियोजना संभाग, दुर्ग (छ. ग.)	खरखरा मोहदीपाट परि. के अंतर्गत खुरसुनी माइनर क्र. 1, गब्दी माइनर क्र. 2 एवं मासाभाट डिस्ट्री. के निर्माण हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), पाटन, मुख्यालय दुर्ग के कार्यालय में देखा जा सकता है.

दुर्ग, दिनांक 24 जनवरी 2004

क्रमांक 136/ले.पा./2004/भू-अर्जन.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्र. एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5-अ के उपबंध उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं.

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (एकड़ में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
दुर्ग	गुण्डरदेही	भरदाकला प. ह. नं. 3	6.51	कार्यपालन यंत्री, खरखरा मोहदीपाट परियोजना संभाग, दुर्ग (छ. ग.)	खरखरा मोहदीपाट परि. के अंतर्गत भरदाकला माइनर के निर्माण हेतु अर्जित होने वाली भूमि.

भूमि का नक्शा (प्लान) अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), पाटन, मुख्यालय दुर्ग के कार्यालय में देखा जा सकता है.

छत्तीसगसढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
जवाहर श्रीवास्तव, कलेक्टर एवं पदेन उप-सचिव.

कार्यालय, कलेक्टर, जिला राजनांदगांव, छत्तीसगढ़ एवं पदेन उप-सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, राजस्व विभाग

राजनांदगांव, दिनांक 24 जनवरी 2004

क्रमांक 614/भू-अर्जन/2004.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्र. एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार सभी संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2) के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (एकड़ में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
राजनांदगांव	डोंगरगढ़	केसली प. ह. नं. 66/5	112.89	कार्यपालन अभियंता, जल संसाधन संभाग, राजनांदगांव.	पुरैना जलाशय के डुबान हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी/अनुविभागीय अधिकारी, डोंगरगढ़ के कार्यालय में किया जा सकता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
जी. एस. मिश्रा, कलेक्टर एवं पदेन उप-सचिव.

कार्यालय, कलेक्टर, जिला दुर्ग, छत्तीसगढ़ एवं पदेन उप-सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, राजस्व विभाग

दुर्ग, दिनांक 23 जनवरी 2004

क्र. 22/प्र.अ.वि.अ./लेखा-भू-अर्जन/03—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1, सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-

(क) जिला-दुर्ग

(ख) तहसील-डौंडीलोहारा

(ग) नगर/ग्राम-बीजाभांठा, प. ह. नं. 17

(घ) लगभग क्षेत्रफल-9.91 एकड़

खसरा नम्बर	रकबा (एकड़ में)
(1)	(2)
881	0.44
646	0.32
883/2	0.30
647/1	0.09
901	0.47
812	0.21
810	0.16
811/2	0.10
726	0.59
728	0.09
729	0.32
730	0.28
814/1	0.14
896	0.33
815	0.25
883/1	0.38

(1)	(2)
731	0.23
888/1	0.15
900	0.13
915	0.66
851	0.05
813	0.08
722	0.32
916/3	0.04
889	0.03
645	0.24
904	0.13
854/1	0.11
883/3	0.14
898	0.47
895	0.18
894	0.32
867	0.13
853	0.31
852	0.18
897/1	0.24
897/2	0.52
916/1	0.13
916/2	0.10
914	0.03
917	0.13
850/2	0.11
736	0.15
725	0.13
योग	9.91

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-खरखरा मोहदी-पाट परियोजना के पिनकापार माइनर क्र. 1 एवं 2 नहर निर्माण हेतु.

(3) भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), डौंडीलोहारा के कार्यालय में किया जा सकता है.

दुर्ग, दिनांक 23 जनवरी 2004

क्र. 22/प्र.अ.वि.अ./लेखा-भू-अर्जन/03.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है, कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-
- (क) जिला-दुर्ग
- (ख) तहसील-डौंडीलोहारा
- (ग) नगर/ग्राम-केंवटनवागांव, प. ह. नं. 14
- (घ) लगभग क्षेत्रफल-3.77 एकड़

खसरा नम्बर (1)	रकबा (एकड़ में) (2)
924	0.02
885	0.05
889	0.20
891	0.01
918/8	0.09
884	0.14
929	0.04
971	0.07
928	0.17
1037	0.02
1038	0.31
1035	0.14
920	0.01
927	0.32
918/9	0.08
970/2	0.08
923	0.40
925	0.04
1034	0.19
977	0.41
919	0.11
859/4	0.01
888	0.28

(1)	(2)
881	0.17
883	0.02
880	0.04
887	0.28
943	0.06
1039	0.01
योग	3.77

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-खरखरा मोहदी-पाट परियोजना के केंवटनवागांव माइनर क्रमांक 3 नहर निर्माण हेतु.

(3) भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), डौंडीलोहारा के कार्यालय में किया जा सकता है.

दुर्ग, दिनांक 23 जनवरी 2004

क्र. 22/प्र.अ.वि.अ./लेखा-भू-अर्जन/03—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है, कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-
- (क) जिला-दुर्ग
- (ख) तहसील-डौंडीलोहारा
- (ग) नगर/ग्राम-भालूकोन्हा, प. ह. नं. 17
- (घ) लगभग क्षेत्रफल-6.53 एकड़

खसरा नम्बर (1)	रकबा (एकड़ में) (2)
908	0.25
900	0.53
635	0.71
1031/1	0.10
884	0.23
887/2	0.20
899	0.53
942/2	0.01
909	0.03
898	0.03
943	0.02
914	0.40
887/1	0.30
896	0.40
882/3	0.53
945	0.43
944	0.47
886	0.19
907/2	0.21
890	0.20
910	0.41
892	0.30
637	0.05
योग	6.53

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-खरखरा मोहदी-पाट परियोजना के पिनकापार माइनर क्रमांक 1 नहर निर्माण हेतु.

(3) भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), डौंडीलोहारा के कार्यालय में किया जा सकता है.

दुर्ग, दिनांक 23 जनवरी 2004

क्र. 22/प्र.अ.वि.अ./लेखा-भू-अर्जन/03.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है, कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-
- (क) जिला-दुर्ग
- (ख) तहसील-डौंडीलोहारा
- (ग) नगर/ग्राम-पिनकापार, प. ह. नं. 17
- (घ) लगभग क्षेत्रफल-6.49 एकड़

खसरा नम्बर (1)	रकबा (एकड़ में) (2)
234/1	0.17
234/2	0.04
234/3	0.53
234/4	0.10
235	0.54
234/8	0.33
241	0.50
232/5	0.69
242/2	0.62
224/3	0.40
233/3	0.05
242/1	0.01
224/2	0.01
योग	3.99

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-खरखरा मोहदी-पाट परियोजना के पिनकापार माइनर क्रमांक 1 नहर निर्माण हेतु.

(3) भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), डौंडीलोहारा के कार्यालय में किया जा सकता है.

दुर्ग, दिनांक 22 जनवरी 2004

क्र. 118/प्र. 1/अ.वि.अ./भू-अर्जन/03.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है, कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) की धारा 6 के अन्तर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-
- (क) जिला-दुर्ग
- (ख) तहसील-गुण्डरदेही
- (ग) नगर/ग्राम-माहुद, प. ह. नं. 84/5
- (घ) लगभग क्षेत्रफल-3.00 एकड़

खसरा नम्बर (1)	रकबा (एकड़ में) (2)
827/1	0.06
827/4	0.09
830	0.13
831	0.19
834	0.09
835	0.19
837/1	0.10
841	0.26
1022	0.06
1021	0.10
1020	0.27
1019	0.29
840	0.15
844	0.01
846	0.04
845	0.48
757	0.19
756	0.16
536	0.09
537	0.05
योग 20	3.00

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-खरखरा मोहदी-पाट परियोजना के माहुद लघु नहर क्र. 2 के निर्माण हेतु.

(3) भूमि के नक्शे (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), पाटन, मुख्यालय दुर्ग में किया जा सकता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
जवाहर श्रीवास्तव, कलेक्टर एवं पदेन उप-सचिव.